BCM SCHOOL BASANT AVENUE DUGRI LUDHIANA

CLASS IV

ANSWER KEY HINDI ASSIGNMENT 4

I निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे के प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनें -

मोहन को किताबें पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। वह स्कूल की लाइब्रेरी से हर हफ्ते एक नई किताब लाता है। एक दिन जब वह लाइब्रेरी पहुँचा तो वहाँ बहुत भीड़ थी। लाइब्रेरियन ने कहा कि सबको लाइन में लगना होगा। मोहन ने शांति से अपनी बारी का इंतज़ार किया। कुछ बच्चों ने कहा कि हम आगे घुसकर किताब ले लेते हैं। पर मोहन ने ऐसा नहीं किया। उसे विश्वास था कि नियमों का पालन करने से सबका काम सही ढंग से होता है। अंत में उसे उसकी पसंद की कहानी की किताब मिल गई।

प्र०1- मोहन ने लाइन में खड़े रहने का निर्णय क्यों लिया?

उ०- ग) नियमों का पालन ज़रूरी समझा

प्र०2- कुछ बच्चों ने आगे घुसने की बात क्यों कही होगी?

उ०-क) उन्हें जल्दी किताब चाहिए थी

प्र०3- मोहन को बारी से किताब मिलने का कारण क्या था?

उ०-ग) उसने नियम का पालन किया

प्र०4- गद्यांश का मुख्य संदेश क्या है?

उ०-ख) नियम मानने से काम व्यवस्थित होता है

प्र०5-नीचे दिए कारण-परिणाम का सही मिलान कौन-सा है?

कारण: मोहन ने धैर्य से इंतज़ार किया

परिणाम: —

उ०-ख) उसे किताब मिल गई

II रेखांकित शब्द का लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखें-

1. <u>कवि</u> कविता लिख रहा है।

   कवयित्री कविता लिख रही है

2. <u>मालिन</u> फूलों का हार बना रही है।

   माली फूलों का हार बना रहा है।

III निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँट कर लिखें।

1.पिता जी चार किलो सेब लाए।

विशेषण-चार किलो   विशेष्य - सेब

2.पेड़ पर कुछ पक्षी बैठे हैं।

विशेषण- कुछ   विशेष्य - पक्षी

IV वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही अर्थ चुनकर लिखिए-

1. आजकल <u>सोना</u> खरीदना आसान नहीं है। (स्वर्ण धातु / सो जाना)

   स्वर्ण धातु

2. बारिश शुरू होने से <u>पूर्व</u> ही मैं घर आ गई। (पूरब दिशा / पहले)

   पहले

V निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर वाक्य में दें-

प्र०1- कौन महाराणा प्रताप को युद्ध भूमि से बचा लाया था?

उ०- महाराणा प्रताप को युद्ध भूमि से उनका घोड़ा चेतक बचा लाया था।

प्र०2-सारी सभा दंग क्यों रह गई?

उ०-भाट को अपने सिर से पगड़ी उतार कर बादशाह अकबर को प्रणाम करते देख सारी सभा दंग रह गई।

VI निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाओ-

1. पूरी सभा “वाह-वाह” से गूँज उठी।
2. भाट जी, आप सही कहते हैं।